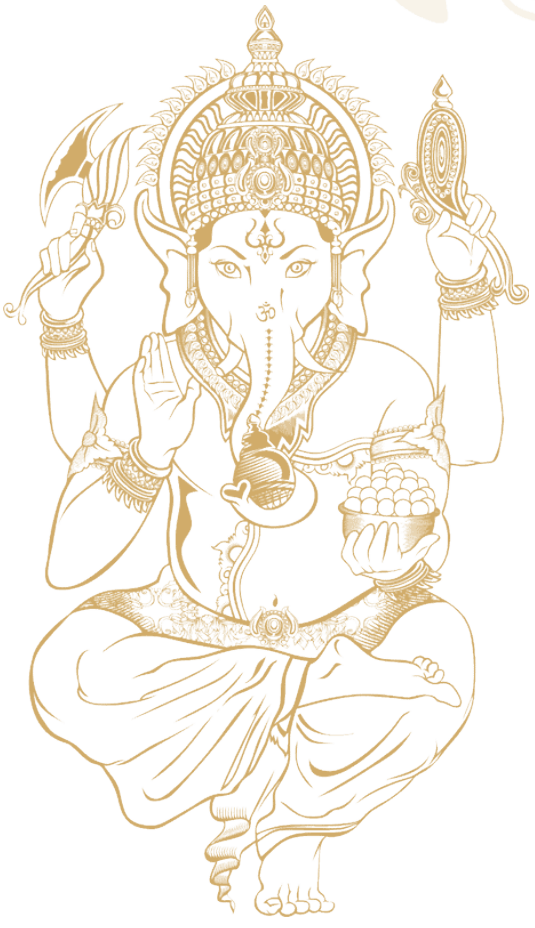

Devendra

Khusubhu

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121699906

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
15/07/1998	जन्म तिथि	11-12/11/2002
बुधवार	दिन	सोम-मंगलवार
घंटे 15:35:00	जन्म समय	03:44:00 घंटे
घटी 25:12:01	जन्म समय(घटी)	52:25:40 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Jaipur
30:43:00 उत्तर	अक्षांश	26:53:00 उत्तर
76:47:00 पूर्व	रेखांश	75:50:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:26:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:30:11	सूर्योदय	06:43:23
19:27:22	सूर्यास्त	17:37:53
23:50:05	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 5वर्ष 5मा 13दि	06:44:22	वृश्चि	लग्न	कन्या	15:13:32	मंगल 5वर्ष 6मा 15दि	
केतु	28:53:38	मिथु	सूर्य	तुला	25:27:23	राहु	
27/12/2020	12:50:26	मीन	चंद्र	मक	26:06:27	28/05/2008	
28/12/2027	12:15:20	मिथु	मंगल	कन्या	23:29:11	29/05/2026	
केतु 25/05/2021	25:30:29	कर्क	बुध	तुला	24:06:19	राहु 09/02/2011	
शुक्र 25/07/2022	04:12:49	मीन	गुरु	कर्क	23:23:41	गुरु 04/07/2013	
सूर्य 30/11/2022	01:05:48	मिथु	शुक्र व	तुला	07:57:39	शनि 10/05/2016	
चन्द्र 01/07/2023	08:57:10	मेष	शनि व	मिथु	04:18:37	बुध 28/11/2018	
मंगल 27/11/2023	08:14:30	सिंह	राहु	वृष	14:59:25	केतु 16/12/2019	
राहु 15/12/2024	08:14:30	कुंभ	केतु	वृश्चि	14:59:25	शुक्र 16/12/2022	
गुरु 21/11/2025	17:40:03	मक व	हर्ष	कुंभ	01:02:29	सूर्य 10/11/2023	
शनि 30/12/2026	07:09:53	मक व	नेप	मक	14:26:39	चन्द्र 10/05/2025	
बुध 28/12/2027	11:43:42	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	22:31:09	मंगल 29/05/2026	

लग्न-चलित

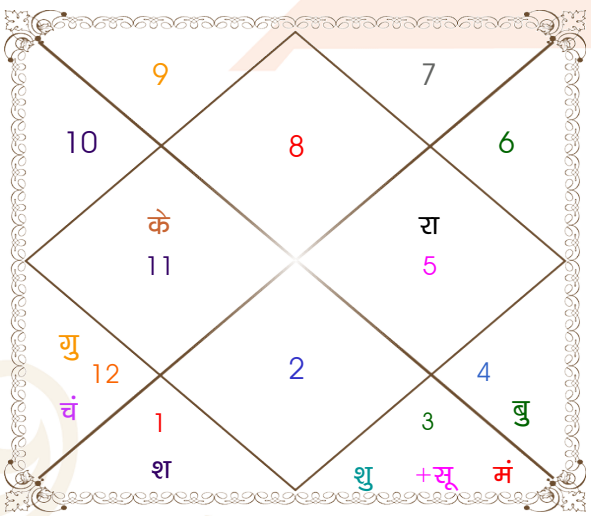

लग्न-चलित

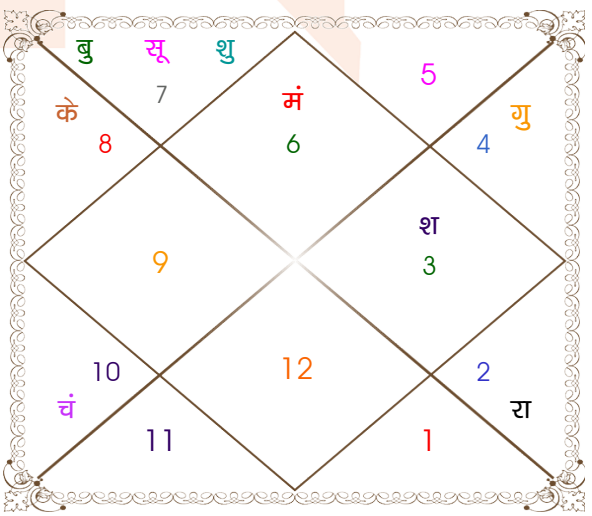

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	15.50		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

क्मअमदकतं का वर्ग सिंह है तथा Khusubhu का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार क्मअमदकतं और Khusubhu का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

क्मअमदकतं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Khusubhu मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि क्मअमदकतं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

क्मअमदकतं तथा Khusubhu में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।